सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने माननीय मुख्यमंत्री झारखंड को 20 करोड़ का चेक सौंपा

माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को चेक प्रदान करते सीएमडी श्री गोपाल सिंह

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एवं माननीय कोयला, खान एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी के मार्गदर्शन में कोरोना के विरूद्ध युद्ध में सीसीएल ने एक और कड़ी जोड़ते हुये आज स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट ऑथोरिटी झारखण्ड को 20 करोड़ रूपये का चेक प्रदान किया। यह चेक सीसीएल के सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने स्वयं प्रोजेक्ट भवन, राँची में माननीय मुख्यमंत्री, झारखंड श्री हेमंत सोरेन को सौंपा। सीएमडी श्री गोपाल सिंह ने झारखंड सरकार की सराहना करते हुये कहा कि हमें राज्य सरकार का सहायता समय–समय पर मिलता रहा है। कोविड–19 की लड़ाई में सीसीएल राज्य सरकार के पार्टनर के रूप में अपनी दायित्व का निर्वहन पूरी सजगता और तन्मयता के साथ कर रहा है।

वैश्विक महामारी के दौरान सीएमडी श्री गोपाल सिंह के मार्गनिर्देशन में सीसीएल कोल योद्धा कोयले की निर्बाध आपूर्ति के साथ–साथ समाज और देश के लिए अपना विशेष योगदान सतत दे रहे हैं। 'कोरोना हारेगा, देश जीतेगा' को चरितार्थ करने के लिए सीसीएल के निदेशकगण एवं स्टेकहोल्डर्स अपने–अपने स्तर से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कोविड–19 की महामारी के विनाशकारी प्रभाव को कम करने हेतु अपने सीएसआर योजना के अंतर्गत प्रवासी श्रमिकों के बीच लगभग 14000 खाद्य पैकेट और पेयजल की बोतलें वितरित किया गया। सीसीएल द्वारा अपने कमांड क्षेत्र में 37 पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलाया गया और 35000 से अधिक मास्क एवं लगभग 490 क्विंटल खाद्यान्न का वितरण जरूरतमंद के बीच किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन ने भी सीसीएल की इस योगदान का सराहना की।

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
दरभंगा हाउस, कचहरी रोड, राँची – 834029, (झारखण्ड)
TOLL FREE NO. 18003456501
सम्पर्क करें : @CCLRanchi @CentralCoalfieldsLtd centralcoalfieldltd Central Coalfields Limited www.centralcoalfields.in

सम्पादक : दीपक कुमार, विभागाध्यक्ष (जनसम्पर्क) जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : मयंक कश्यप, सहायक प्रबंधक (सीडी), सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित (आंतरिक वितरण हेतु)

अपनी बात

अंक : 557 वर्ष 42 | सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका | राँची, 30 जून, 2020

सीसीएल द्वारा प्रवासी मजदूरों के बीच फूड पैकेट का वितरण

फूड पैकेट के साथ सीसीएल कर्मी

खाद्य सामग्री के साथ सीसीएल कर्मी

कोरोना वायरस से उत्पन्न वैश्विक महामारी और देश में घोषित लॉकडाउन में पूरा देश एक साथ खड़ा है। सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) भी इस दौरान अपने कर्तव्यों का पूरी संवदेनशीलता, सजगता और समर्पण के भाव से निर्वहन कर रहा है। इसी कड़ी में विगत 01 जून को सीसीएल ने स्पेशल श्रमिक ट्रेन से यात्रा कर रहे प्रवासी मज़दूरों, छात्रों और अन्य लोगो के बीच फूडपैकेट एवं पानी का बोतल वितरण किया। 'श्रमिक स्पेशल ट्रेन' उदयपुर (त्रिपुरा) से हटिया स्टेशन होते हुये लोहरदगा (झारखंड) को जा रही थी, जिसमें लगभग 1200 फूड पैकेट और पानी बोतल का वितरण किया गया।

विगत 02 जून को सीसीएल ने त्रिपुरा से लोहरदगा एवं बेंगलूरू से बरकाकाना (रामगढ़) स्पेशल श्रमिक ट्रेनों से आवागमन करने वाले प्रवासी मज़दूरों सहित बच्चों के बीच फूड पैकेट एवं पानी का बोतल वितरण किया।

बेलोनिया (त्रिपुरा) से राँची स्टेशन होते हुये लोहरदगा (झारखंड) जा रही थी, जिसमे लगभग 1600 फूड पैकेट और 1600 पानी बोतल का वितरण किया गया। दूसरा 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेन बेंगलुरु से झारखंड के बरकाकाना (रामगढ़) रेलवे स्टेशन आ रही थी। सीसीएल के बरका–सयाल एरिया ने 1750 खाने के पैकेट और पानी के बोतल बरकाकाना रेलवे स्टेशन के प्रबंधक को सौपा। रेलवे के माध्यम से राँची एवं बरकाकाना रेलवे स्टेशन में खाने के पैकेट और पानी के बोतल प्रवासी मज़दूरों सहित बच्चों एवं परिवार के सदस्य के बीच वितरण किया गया।

केंद्र सरकार देश के दूरदराज के इलाकों में फंसे मजदूरों, छात्रों और अन्य लोगों को उनके घर पहुँचाने के लिए 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेन चला रही है।

विगत 03 जून को सीसीएल ने केरला से झारखंड के देवघर स्पेशल श्रमिक ट्रेन से आवागमन करने वाले प्रवासी मज़दूरों सहित बच्चों के बीच फूड पैकेट एवं पेयजल वितरण किया। श्रमिक ट्रेन कनूर (केरला) से राँची स्टेशन होते हुये जसीडीह (देवघर) जा रही थी, जिसमें लगभग 1550 फूड पैकेट और 1550 पानी बोतल का वितरण किया गया।

विगत 04 जून को सीसीएल ने 1200 फूड पैकेट और 1200 पानी बोतल रेलवे प्रबंधन को सौंपा। सभी फूड पैकेट और पानी बोतल स्पेशल श्रमिक ट्रेन से यात्रा कर रहे प्रवासी मज़दूरों सहित बच्चों के बीच वितरण किया गया।

विगत 06 जून को सीसीएल ने 1200 फूड पैकेट और 1200 पेयजल बोतल रेलवे प्रबंधन को सौंपा। सभी फूड पैकेट और पेयजल बोतल गुवाहाटी से हटिया रेलवे स्टेशन, राँची तक स्पेशल श्रमिक ट्रेन से यात्रा कर रहे प्रवासी मज़दूरों सहित बच्चों के बीच वितरण किया गया।

विगत 10 जून को सैकड़ो प्रवासी कामगार और मजदूर जो श्रमिक स्पेशल ट्रेन ईरोड जंक्शन रेलवे स्टेशन (तमिलनाडु) से यात्रा प्रारंभ करते हुये भाया हटिया रेलवे स्टेशन से अपने गंतव्य स्थल धनबाद स्टेशन पहुँच रहे हैं, के बीच लगभग 2400 फूड पैकेटस और पेयजल बोतल का वितरण किया गया।

अभी तक सीसीएल के कोविड अस्पतालों में कुल 29 इलाजरत कोरोना संक्रमित मरीज स्वस्थ्य

सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर राँची एवं रामगढ़ केन्द्रीय अस्पताल में कोविड–19 से ग्रसित मरीजों का ईलाज किया जा रहा है। सभी मरीजों का ईलाज इन अस्पतालों के चिकित्सक एवं पारामेडिकल की टीम द्वारा किया जा रहा है। सफाईकर्मियों का भी योगदान काफी सरहनीय है। ज्ञात हो कि मई माह में कोरोना के जो मरीज इन अस्पतालों में भर्ती हुये थे वे पूर्णतः स्वस्थ्य होने पर आवश्यक चिकित्सीय सलाह के साथ राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन से घर भेज दिया गया। मरीजों को सीसीएल के चिकित्सकों द्वारा पुष्पगुच्छ, कैप एवं गिफ़्ट हैंपर प्रदान कर विदा किया गया।

संक्रमित कोरोना मरीज स्वस्थ होकर घर वापस जाते हुए

सभी स्वस्थ्य मरीज काफी खुश थे और वे सीसीएल प्रबंधन एवं उनकी देखरेख करने वाले चिकित्सकों, पारा मेडिकल कर्मियों, सफाई कर्मियों और अन्य सभी की भूरि–भूरि प्रशंसा की और सीसीएल के प्रति आभार व्यक्त किया। गांधीनगर अस्पताल में वर्तमान में शत–प्रतिशत मरीज स्वस्थ्य होकर अपने–अपने घर चले गये हैं।

सीसीएल द्वारा मास्क, सैनेटाईजर और दवाईयों का वितरण

विगत 23 जून को सीसीएल के जन आरोग्य केन्द्र के सीएसआर के अंतर्गत डॉ अंजना झा, डॉ अरूणा हेमब्रोम एवं पैरामेडिकल टीम ने राँची बरियातू में चेशायर होम, ओल्ड एज होम, एवं ब्रज किशोर नेत्रहीन विद्यालय का दौरा कर मास्क, सैनेटाईजर एवं आवश्यक दवाईयों का वितरण किया। इस कार्यक्रम में कुल 170 लाभार्थी थे जिसमें बालिका, वयस्क एवं वृद्ध थे। सीसीएल की प्राथमिकता 'गरीब, ग्रामीणों एवं श्रमिकों का सर्वांगीण विकास है और इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सीसीएल सतत प्रतिबद्ध है।

मास्क, सैनिटाइजर एवं दवाइयाँ वितरित करते सीसीएल के चिकित्सक

विश्व पर्यावरण दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

विश्व पर्यावरण दिवस 2020 का विषय "जैव विविधता"

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विगत 05 जून को सीसीएल मुख्यालय, दरभंगा हाउस, राँची में आयोजित पर्यावरण कार्यक्रम में सीसीएल के निदेशक तकनीकी (संचालन) श्री वी.के. श्रीवास्तव, निदेशक तकनीकी (योजना/परियोजना) श्री भोला सिंह एवं निदेशक (वित्त) श्री एन.के. अग्रवाल ने सीसीएल मुख्यालय, राँची के प्रांगण में 'पर्यावरण ध्वज' को फहराया। अवसर विशेष पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये सीसीएल मुख्यालय के विभिन्न विभागों के महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष सहित सीसीएल कर्मियों एवं अन्य ने यह शपथ लिया कि प्राकृतिक वन, झील, नदी एवं अन्य प्राणियों के सरंक्षण एवं संवर्धन हेतु यथाशक्ति प्रयास करेंगे तथा जीवित प्राणियों के प्रति करूणा एवं दया का बर्ताव करेंगे। अवसर विशेष पर सीसीएल प्रबंधन द्वारा फलदार पौधा का वितरण किया गया।

पर्यावरण दिवस पर शपथ लेते सीसीएल के निदेशकगण एवं अन्य

पर्यावरण दिवस पर पौधा वितरण का दृश्य

सीएमडी श्री गोपाल सिंह के कुशल मार्गदर्शन में कंपनी कायाकल्प योजनाओं के अंतर्गत राँची सहित सभी कमांड क्षेत्रों में वृहद स्तर पर पौधारोपण सतत करता रहता है और अब तक 84 लाख पौधारोपण किया जा चुका है। हर वर्ष पर्यावरण दिवस पर एक नया थीम लिया जाता है, इस वर्ष का थीम "जैव विविधता" है। इस वर्ष, लुप्तप्राय पौधों एवं जन्तुओं की प्रजातियों तथा जैव विविधता पर ध्यान केंद्रित किया गया है। जैव–विविधता पर ध्यान केंद्रित करने और विलुप्त होने के कगार पर खड़े पौधों और जन्तुओं की प्रजातियों की रक्षा के लिए कोल इंडिया और इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा प्रभावी जैव–पुनर्ग्रहण और वैज्ञानिक अध्ययन किये जा रहे हैं। कोल इंडिया ने 2019–20 के दौरान लगभग 19.7 लाख पौधे लगाए हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 812 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को आच्छादित करता है।

सीसीएल में माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का वेबकास्ट प्रसारण किया गया

विगत 15 जून को कोयला मंत्रालय, भारत सरकार ने 41 कोयला खदानों की नीलामी प्रक्रिया को वर्चुअल रूप से सेन्ट्रल कोलफील्डस लिमिटेड (सीसीएल) के सीएमडी श्री गोपाल सिंह सहित निदेशकगण एवं महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष और कर्मियों ने सीसीएल दरभंगा हाउस, राँची स्थित 'कन्वेंशन सेंटर' में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये कार्यक्रम में सम्मिलित हुये। सभी ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन को सुना। सीसीएल दरभंगा हाउस सहित सभी क्षेत्रों में भी वेबकास्ट के माध्यम से क्षेत्रीय महाप्रबंधक एवं कर्मी इस कार्यक्रम से जुड़े। साथ ही बड़ी संख्या में स्टेकहोल्डर्स भी उपस्थित थे।

माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का वेबकास्टिंग

भारत सरकार ने कोयला क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए, फिक्की के सहयोग से कोयला मंत्रालय सीएम (एसपी) अधिनियम और एमएमडीआर अधिनियम के प्रावधानों के तहत 41 कोयला खदानों की नीलामी के लिए प्रक्रिया की शुरुआत की है। इस ऐतिहासिक नीलामी प्रक्रिया में झारखंड सहित महाराष्ट्र, ओडिसा, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश राज्य में छोटे, मध्यम एवं बड़े खदान सम्मिलित हैं। सभी 41 खदानों में से झारखंड राज्य में कुल 09 कोयला खदानें भी कमर्शियल माईनिंग के अंतर्गत है।

यह नीलामी प्रक्रिया, वाणिज्यिक खनन के लिए भारतीय कोयला क्षेत्र को खोलने की शुरुआत की प्रतीक है। यह देश को अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर बनाने में और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएगा। कोयले की बिक्री के लिए कोयला खानों की इस नीलामी प्रक्रिया की शुरुआत, भारत सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत की गई घोषणाओं का हिस्सा है।

सीसीएल गांधीनगर में कोविड–19 संक्रमितों के लिए कोल इंडिया का पहला जाँच मशीन स्थापित

देश में तेजी से कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है और उनके समयबद्ध रूप से जाँच की आवश्यकता है। विगत 24 जून को सीसीएल ने केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर में कोविड–19 से संक्रमित मरीजों के जाँच हेतु TruNat मशीन स्थापित किया है और सीसीएल कर्मी सहित अन्य स्टेकहोल्डर्स को भी लाभ मिलेगा। मशीन को भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से मंजूरी मिलने के बाद इसे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सहयोग से स्थापित किया गया है।

TruNat मशीन की विशेषता है कि ये अत्यधिक आधुनिक मशीन है और संक्रमण का जाँच का परिणाम लगभग एक घंटे में आ जाता है। मशीन की क्षमता है कि प्रतिदिन 20 से 30 व्यकित का जाँच किया जा सकता है।

केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर में स्थापित TruNat मशीन

कमर्शियल माइनिंग में कोल इंडिया का कोई भी ब्लॉक नहीं जायेगा : कोल इंडिया अध्यक्ष

कोल इंडिया के भविष्य पर सभी संशय और संदेह को दूर करते हुये कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल ने सभी को आश्वस्त किया कि कमर्शियल माइनिंग के अंतर्गत कोल इंडिया का कोई भी ब्लॉक देने का प्रस्ताव नहीं है और कंपनी का भविष्य सुरक्षित और उज्जवल है। कंपनी के पास प्रर्याप्त कोयला भंडार वाले सैकड़ों ब्लॉक हैं जिससे इस प्रतिस्पर्धात्मक युग में कोल इंडिया व्यावसायिक रूप से मजबूत बनी रहेगी।

कोल इंडिया के 447 कोल ब्लॉक हैं, जिसमें सुचारू रूप से खनन कार्य किया जाता है। इसके अतिरिक्त कोल इंडिया को 16 और कोल माइंस आंवटित किये गये हैं जिसमें कोल माइंस (विशेष प्रावधान) अधिनियम के अंतर्गत 10 खान एवं खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम के तहत 6 ब्लॉक आवंटित किए गए। सभी 463 ब्लॉकों की संयुक्त क्षमता 170 बिलियन टन (बीटी) के करीब है। वर्तमान में आवंटित 16 ब्लॉक में से अधिकांश की उत्पादन क्षमता 10 मिलियन टन (एमटी) वार्षिक से अधिक है और कुल क्षमता 264 एमटी के लगभग है।

वित्तीय वर्ष 2023–24 तक कोल इंडिया को 1 बिलियन टन कोयले का उत्पादन और आपूर्ति करने का लक्ष्य है और इसी प्रकार आगे भी सतत अग्रसर रहेगा।

कोल इंडिया अपनी क्षमता और परिसंचालन को कुशल बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। कंपनी राज्य एवं केन्द्र सरकार के साथ कार्य करते हुये न सिर्फ विभिन्न समस्याओं एवं चुनौतियों पर सकारात्मक पहल से निरंतर निपटारा कर रहा है बल्कि अपना उत्पादन और आपूर्ति को गति दे रहा है।